केवल 'बारकोड' अंकित यही एकमात्र पृष्ठ नीचे दी गई रेखा से काटकर पत्रक - A तथा पत्रक - B के साथ वापस भेजना है ।

केवल अनुपस्थित परीक्षार्थीओं के लिए :

सत्संग शिक्षण परीक्षा

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था, शाहीबाग, अहमदाबाद - ३८०००४.

सत्संग परिचय - २

रविवार, ४ मार्च, २०१२ **समय : दोपहर २.०० से ४.१५** **कुल गुण : ७५**

स्वामिनारायण
BAPS

अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

☞ **परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़सान मत किजिए ।**

अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है

परीक्षार्थी का जन्म दिन दिनांक ☐☐ महिना ☐☐ वर्ष ☐☐☐☐

परीक्षार्थी का अभ्यास .....

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरिक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर .....

☞ **पीछे दी गई सूचनाओं का अवश्य पालन करें ।**

परीक्षक के हस्ताक्षर

.....

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (९)	
	२ (६)	
	३ (५)	
	४ (५)	
	५ (५)	
	६ (८)	
विभाग-१, कुल गुण (३८)		

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	७ (९)	
	८ (६)	
	९ (५)	
	१० (५)	
	११ (६)	
	१२ (६)	
विभाग-२, कुल गुण (३७)		

મોડરેશન વિભાગ માટે જ

ગુણ શબ્દોમાં . . . . . .

ચેકર - નામ

परीक्षार्थीओं को महत्वपूर्ण सूचनाएँ :-

१. **आगे के मुख्य पृष्ठ पर परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ बारकोड अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़सान मत किजिए ।**

२. परीक्षार्थी को स्पष्ट और सुंदर अक्षर से आगे के पन्ने में मांगी हुई विवरण को लिखना अनिवार्य है ।

३. आप उत्तर पुस्तिका (जवाबवही) में कही भी, किसी भी जगह पर अपना नाम मत लिखें ।

४. मुख्य परीक्षा के दिन वर्गखंड में उपस्थित प्रत्येक परीक्षार्थी वर्ग निरिक्षक से अपनी नामयुक्त उत्तर पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर करा लें ।

५. **बिना वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

६. प्रश्न के गुण → | गुण : १ | | ← परीक्षक को प्रश्न जाँचकर गुण लिखने की जगह

७. **परीक्षार्थी केवल ब्लू या केवल काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखे । पेन्सिल से अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर या एक से ज्यादा स्याही से लिखि गई उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

८. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । अस्पष्ट उत्तर अमान्य होंगे ।

९. **परीक्षा खंड के बाहर** और अन्य सभी परीक्षार्थीओं से अलग या परीक्षा के नियमों का उल्लंघन कर के दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी ।

१०. **परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व मंजूरी बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'लेखाकार' या 'सबस्टीट्युट राईटर' एवं 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तरवही रद्द गीनी जाएगी । एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावट रद्द मानी जाएगी ।**

११. **मुख्य परीक्षा के दिन उत्तरवही के इलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखे हुए उत्तर मान्य नही होंगे ।**

Important Instructions For Satsang Exam Students

1. **Please do not damage in any way the bar code printed on the front page.**
2. Please write clearly and legibly.
3. Do not write your name on the answer book.
4. On the day of the Final Satsang Examinations, all examinees should obtain the signature of the class supervisor on the answer sheet bearing their own personal details only.
5. Answer books without the signature of the Class Supervisor will **not** be considered **valid.**
6. Marks for Question → | **1** Mark | | ← Space for Examiner to write marks
7. **Write your answers with either a blue or black pen only. Answers written in pencil, or with a red, green or any other coloured pen will not be considered valid. Answers written in more than one coloured ink will not be considered valid.**
8. Follow the instructions while answering. Answers crossed out will not be considered valid.
9. Examinations taken at **unauthorized locations** or in which the exam rules have been violated will not be considered valid.
10. **Without the prior permission of the Pariksha Karyalay in Ahmedabad, answer papers written by substitute writers in place of the original candidate will not be accepted. Answer papers with more than one type of handwriting will not be accepted.**
11. **In Main Exam answers written on extra pages will not be considered valid.**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-१	

परिचय-२

विभाग - १ : किशोर सत्संग परिचय

प्र. १ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । (कुल गुण : ९)

१. ''नहीं तो हम तुमसे अक्षरधाम में मिलेंगे ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

२. ''हम अक्षरपुरुषोत्तम के लिए सबकुछ छोड़कर साधु बने हैं और उसके लिए समस्त कष्टों को सहन करते हैं ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

३. '''मच्छरों' के भय से क्या कोई अपनी हवेली छोड़ देता है ?''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. २ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ६)

१. गरासियों ने गलुजी की माँ को भगवान के आशीर्वाद दिलवाने के लिए कहा ।

.....

.....

.....

.....

..... गुण : २

२. लक्ष्मीचंद सेठ को अगले जन्म में सत्संग का योग हुआ ।

.....

.....

.....

.....

..... गुण : २

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-२	

३. पर्वतभाई ने स्वरूपानन्द स्वामी को दादाखाचर की छत की जलकियों (नरियों) का ध्यान करने को कहा ।

.....

.....

.....

.....

गुण : २	

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ३ 'राजबाई' – **प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए । (वर्णनात्मक) (कुल गुण : ५)**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-३		प्र-४	

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ४ निम्नलिखित पश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ५)

१. जंगमतीर्थ किस को कहा जाता है ? गुण : १

.....

.....

२. श्रीजीमहाराज ने सच्चे मित्रभाव का क्या अर्थ किया ? गुण : १

.....

.....

३. पुतलीबाई क्युं नरक में गई ? गुण : १

.....

.....

४. संत ने थप्पड़ मार दिया फिर भी दामोदरभाई ने क्या कहा ? गुण : १

.....

.....

५. एकलव्य किस तरह धनुर्धर बना ? गुण : १

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ५ वचनामृत गढ़डा प्रथम प्रकरण - १६ **का निरूपण लिखिए । (कुल गुण : ५)**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-५		प्र-६	

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक [ ] केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ६ निम्नलिखित कीर्तन/अष्टक/श्लोक आदि को सूचनानुसार पूर्ण कीजिए । (कुल गुण : ८)

१. अष्कोण ने ....

....

.... डाबे पगे चिह्न व्हाला । गुण : २

२. पाज धर्मनी ....

....

....

.... छोगाला रंग छेल । गुण : २

३. विधिशंभुमुखैर ....

....

.... भजे सदा ॥ गुण : २

४. ''निर्मानमोहा .... पदमव्ययं तत् ॥'' – श्लोक का हिन्दी में अनुवाद कीजिए ।

....

....

....

.... गुण : २

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक [ ] केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-७	

विभाग - २ : प्रागजी भक्त

प्र. ७ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । (कुल गुण : ९)

१. ''मैं स्वामी को प्रसन्न करना चाहता हूँ ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

२. ''क्या मेरे सभी दोष मिट गए ?''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

३. ''मुझे वरताल ले चलो ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ८ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ६)

१. खांभड़ा में गुणातीतानन्द स्वामी ने रोटियाँ मंगवाई ।

.....

.....

.....

.....

..... गुण : २

२. प्रागजी भक्त ने गंदे पानी के गड्ढे में छलाँग लगा दी ।

.....

.....

.....

.....

..... गुण : २

३. वाघा खाचर को शान्ति का अनुभव हुआ, दोष मिट गए ।

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : २	

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ९ 'जूनागढ़ में अपूर्व सन्मान ।' - **प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए । (वर्णनात्मक) (कुल गुण : ५)**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-१०		प्र-११	

प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ५)

१. मालण नदी के रेतीले पाट में बैठ़कर प्रागजी भक्त मित्र बालकों को क्या कहा करते थे ? गुण : १

.....

.....

२. पवित्रानन्द स्वामीने प्रागजी भक्त को विमुख करने को कहा तब प्रागजी भक्तने कया कहा ? गुण : १

.....

.....

३. सत्संग से निष्कासित करने का पत्र जूनागढ़ आते ही प्रागजी भक्त कहाँ जाने को तैयार हो गए ? गुण : १

.....

.....

४. भगतजी महाराज ने हरिभक्तों के कल्याण के लिए कितनी जयमाला फेरी ? गुण : १

.....

.....

५. भगतजी ने वांसदा के दीवान को क्या वचन दिया ? गुण : १

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.११ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । (कुल गुण : ६)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. अक्षरधाम की कुंजी प्रागजी के पास गुण : २

(१) ☐ मैं पेन्शन पर हूँ । (२) ☐ भंडार की चाबियाँ तो ये रही ।

(३) ☐ मैं देने के लिए मजबूर था । (४) ☐ इसकी जड़ें तो गहरे कुए तक चली गई हैं ।

२. अक्षर के ज्ञान का उद्‌घोष गुण : २

(१) ☐ तुम अंधेरा देखना चाहते हो ? (२) ☐ मैं ही अकेला इस आनन्द से वंचित क्यों रहा हूँ ?

(३) ☐ गुणातीत जागो । (४) ☐ स्वामी से क्षमा माँगो ।

३. अन्तिम लीला गुण : २

(१) ☐ पद्मासन में बैठ गए । साँस और नाड़ी समेट कर समाधिस्थ हो गए ।

(२) ☐ कोठारी बेचर भगत ने सबको धीरज बंधाया ।

(३) ☐ चन्दन आदि का प्रयोग मत करना ।

(४) ☐ फूलचन्द सेठ की बाड़ी में अग्निसंस्कार किया गया ।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-१२	

प्र.१२ निम्नलिखित गलत वाक्य को उसके विषय के अनुलक्ष्य में सही लिखिए । (कुल गुण : ६)

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

१. **संतत्व की कला :** संत राग-द्वेष में समता का व्यवहार करते हैं । वे किसी पे बोझ नहीं रखते। वे पंच-पदार्थ के विषयों को जीत लेते हैं और निर्गुणरूप कर लेते हैं । श्रीकृष्ण की मूर्ति में निमग्न रहते हैं, यही एकान्तिक धर्म हैं ।

उ. .....

.....

..... गुण : १

२. **शास्त्री यज्ञपुरुषदासजी ने भगतजी को गुरु स्वीकार किया :** कुछ साधु-हरिभक्तों को जागा भक्त की बढ़ती प्रसिद्धि को सहन न कर सके। एक बार उन्होंने उनके ही शिष्यों की शिकायत जागा भक्त से की । उस समय जागा भक्त ने शिकायत करने वालों का पक्ष लिया और अपने हरिभक्तों को क्षमा माँगने को कहा ।

उ. .....

.....

..... गुण : १

३. **गढ़डा में जलझीलनी महोत्सव :** जो भगवान के सुख में मोहित हो जाता है उसके जीव में भगवान के सुख की वर्षा होती है । उसकी पाँचों इन्द्रियाँ और छठवाँ मन एक भगवान में ही जम जाते हैं ।

उ. .....

.....

..... गुण : १

४. **मुझे स्वामिनारायण ने धारण कर रखा है :** आप तो भगवान के संत हैं और ये तो साक्षात् भगवान हैं । अत: यदि वे तुम्हें पत्थर से मारे, या तुम्हें गालियाँ दे तो भी तुम इनकी सेवा करना, इनकी आज्ञा में रहो ।

उ. .....

.....

..... गुण : १

५. **सत्संग में कुसंग :** कोठार में भोजन से लौटते समय एक हरिभक्त ने स्वामी को गुलाबों का हार पहनाया । साधु पवित्रानंदजी नित्यानंद स्वामी के सेवक, जिन्होंने स्वामी का अपमान किया था वे रास्ते में मिल गए । स्वामी ने हँसकर वह गुलाब की माला उनके गले में पहनायी ।

उ. .....

.....

..... गुण : १

६. **सद्‌गुरु गोपालानन्द स्वामी का संग :** एक बार जागा भक्त दरजी का काम सीखने के लिए गढ़डा गए । बाद में गोपीनाथजी के लिए सुन्दर पाघ और जामा बनाया । गोपीनाथजी को पोशाक भेंट करने के लिए सारंगपुर गए ।

उ. .....

.....

..... गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**